हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र
महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
एवं
शिक्षा स्कूल
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
सात दिवसीय

हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

22-28 जून, 2018

राष्ट्रीय फोकस समूह का आधारपत्र 'भारतीय भाषाओँ का शिक्षण' यह बताता है कि "भाषा नियमों द्वारा नियंत्रित संप्रेषण का माध्यम भर नहीं है, बल्कि यह एक परिघटना है जो एक बड़े स्तर पर हमारी सोच, सत्ता और समता के सन्दर्भ में हमारे सामाजिक संबंधों को निर्मित करती है..... सभी भाषिक विकास सामाजिक, सांस्कृतिक माध्यम से होते हैं और इस क्रम में प्रत्येक व्यक्ति बहुविध 'रजिस्टर' अभिव्यक्तियों के साथ कई तरह की सामाजिक अंत: क्रियाओं के लिए तैयार होता जाता है |"

इस आधार पर देखें तो हिंदी भाषा के भी सीखने-सिखाने के उद्देश्य सीधे इस बात से जुड़े हैं कि हमारी उस विषय पर समझ क्या है ? विषय की समझ हो जाने पर हमें इस बात पर निर्णय करने में मदद मिलती है कि हमें पढ़ाना क्या है? बल्कि यह भी निर्णय लेने में सहूलियत होती है कि इसको पढ़ाया कैसे जाये? आमतौर पर यह देखा गया है कि हिंदी भाषा को सीखने-सिखाने के उद्देश्यों में निम्न बातों को शामिल किया जाता है जैसे:

- ध्वनि रूपों के शुद्ध उच्चारण को समझना
- शब्दों के शुद्ध उच्चारण को समझना
- ध्वनी रूपों का उच्चारण करना
- शब्दों का शुद्ध उच्चारण करना
- वर्ण एवं शब्द पढने की क्षमता का विकसित करना
- वर्णों और शब्दों को उचित आकार, उचित क्रम में लिखने की क्षमता को विकसित करना
- विराम चिन्हों का प्रयोग करते हुए लिखने की क्षमता का विकसित करना
- व्याकरण का सही उपयोग

- वाक्य विन्यास एवं वाक्य को पढ़ने की क्षमता का विकसित करना
- एवं इसके साथ-साथ हिंदी भाषा शिक्षण का मुख्य उद्देश्य नैतिक मूल्यों का विकास करना

उपरोक्त के आधार पर हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला में निम्न बिन्दुवत आधारों पर परिचर्चा की जाएगी:

- भाषा की संकल्पना एवं महत्व
- हिंदी भाषा की वर्तमान स्थिति व तकनीकी रूप से सक्षम
- भारत के लिए शिक्षा की भाषा के रूप में हिंदी आवश्यक क्यों?
- माध्यमिक/उच्चतर शिक्षा और हिंदी
- हिंदी के मूल लेखन की समस्या/पाठ्य सामग्री
- हिंदी माध्यम में शिक्षण कौशल का विकास
- हिंदी माध्यम में कैसे पढ़ाया जाए?
- हिंदी का भविष्य एवं चुनोतियाँ

इस सात दिवसीय हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला हेतु हिमाचल प्रदेश एवं पड़ोसी राज्यों जैसे: पंजाब, उत्तराखंड, जम्मू व कश्मीर एवं हरियाणा के विभिन्न स्कूलों से कुल 50 प्रतिभागी चयनित किये जाएँगे | प्रतिभागियों का चयन पहले आओ पहले पाओ की नीति के आधार पर किया जायेगा | यदि प्रतिभागी 50 से अधिक होते हैं तो ऐसे प्रतिभागियों को बोर्डिंग लोजिंग आदि की व्यवस्था स्वयं ही करनी पड़ेगी, हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय व महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय इस संबंध में कोई दायित्व नहीं होगा |

उपरोक्त कार्यशाला हेतु विद्यालयी शिक्षकों और प्रधानाचार्यों से आवेदन आमंत्रित हैं | हिंदी के अध्यापकों व संगठन नेतृत्व करने वाले शिक्षकों को वरीयता दी जाएगी | आप अपना आवेदन कार्यक्रम समन्वयक को hindiworkshop.cuhp@gmail.com पर संलग्न प्रपत्र पर 17 जून, 2018 तक कर सकते हैं |

प्रो. मनोज कुमार सक्सेना
समन्वयक एवं अधिष्ठाता, शिक्षा स्कूल

हिंदी शिक्षण अधिगम केंद्र
महात्मा गाँधी अंतर्राष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
एवं
शिक्षा स्कूल
हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, धर्मशाला
के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित
सात दिवसीय

हिंदी प्रशिक्षण कार्यशाला

22-28 जून, 2018

पंजीकरण-प्रपत्र

नाम: सुश्री/श्रीमती/श्री/डॉ _____

पदनाम: _____

संस्था: _____

☎**:** _____ _____

ईमेल : _____

_____
आवेदक के
दिनांक सहित हस्ताक्षर

उपरोक्त कार्यशाला के लिए _____
के आवेदन की अनुशंसा की जाती है | इन्हें इस कार्यशाला में सहयोगिता के लिये अनुमति प्रदान की जाती है |

दिनांक: _____

स्थान: _____

प्रधानाचार्य/संस्था प्रमुख/
शिक्षा अधिकारी
सील सहित हस्ताक्षर